सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

» Pg12

लखनऊ में जेपीएनआईसी नहीं गए अखिलेश यादव

कानपुर, शनिवार, 11 अक्टूबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 268, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड दीपावली से पहले मिलावटखोरों पर प्रशासन का शिकंजा... » Pg02

हत्याकांड के 15 दिन बाद अलीगढ़ पुलिस ने दबोचा

50 हजार की ईनामी लेडी गोडसे भरतपुर से अरेस्ट

अभिषेक गुप्ता मर्डरः पूजा शकुन पांडे पर 50 हजार का था ईनाम, बुर्का पहनकर हुई थी फरार, अलीगढ़ लाई पुलिस

पुलिस के शिकंजे में फरार पूजा उगलेगी हत्या के राज

पूजा शकुन पांडे पूछताछ के लिए ले जाती रोरावर पुलिस

मृतक अभिषेक गुप्ता

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अलीगढ़। अलीगढ़ के खेरेश्वर चौराहे पर सिकंदराराऊ के कचौरा निवासी बाइक शोरूम मालिक अभिषेक गुप्ता के मर्डर में 15 दिन बाद 50 हजार की इनामी पूजा शकुन पांडेय उर्फ अन्नपूर्णा भारतीपुरी (पूर्व महामंडलेश्वर) को अलीगढ़ पुलिस ने भरतपुर राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे अलीगढ़ के रोरावर थाने लाया गया है। अभिषेक गुप्ता हत्याकांड में पुलिस की इस कार्यवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है।

बाइक शोरूम स्वामी की हत्या में फरार 50 हजार की इनामी पूजा शकुन पांडेय उर्फ अन्नपूर्णा भारतीपुरी (पूर्व महामंडलेश्वर) को पुलिस टीम ने आगरा-जयपुर मार्ग पर लोधा बाई टोल प्लाजा से करीब एक किमी पहले सेवर रेलवे ब्रिज के पास जनपद भरतपुर राजस्थान से दबोच लिया है। वहां से पुलिस उसे अलीगढ़ के रोरावर थाने लेकर पहुंची है। बता दें कि 26 सितंबर 2025 की देर शाम कस्बा खैर के बाइक शोरूम मालिक अभिषेक गुप्ता की खेरेश्वर चौराहे पर गोली मारकर रात हत्या की गई थी। इस हत्या में अशोक पांडेय व पूजा शकुन पांडेय को नामजद करते हुए अज्ञात शूटरों से हत्या कराने का आरोप लगाया था। पुलिस पूर्व में अशोक पांडेय के अलावा शूटर मो. फजल और आसिफ को जेल भेज चुकी है।

बुआ बनकर किया भरोसे का कत्ल

अभिषेक गुप्ता की हत्या के बाद से पूजा शकुन फरार चल रही थी। पुलिस ने उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित करने के साथ-साथ अदालत से गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) भी प्राप्त कर लिया था। पुलिस के मुताबिक, हत्या के बाद पूजा शकुन पांडेय बुर्का पहनकर एक टैक्सी से फरार हुई थी ताकि पहचान न हो सके। वह अलीगढ़ से गाजियाबाद और फिर वहां से हरिद्वार तक पहुंची। लगातार पीछा कर रही पुलिस ने हरिद्वार के आसपास के इलाकों में घेरा बनाकर निगरानी बढ़ाई थी। गुप्त सूचना पर पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया। हालांकि, उसकी गिरफ्तारी का सटीक स्थान फिलहाल पुलिस ने गोपनीय रखा है।

आखिरकार, पुलिस ने गाजियाबाद से हरिद्वार के बीच के क्षेत्र में उसे ट्रैक कर लिया और दबोच लिया। इस बारे में एसपी सिटी प्रभारी प्रवीण यादव ने बताया कि पूजा शकुन पांडेय को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस जल्द ही पूरे मामले का खुलासा करेगी। खबरों के अनुसार पूजा को बस में भागते हुए पकड़ा गया है।

अलीगढ़ पुलिस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दी गई जानकारी में बताया गया है कि अभियुक्त पूजा शकुन से पूछताछ के दौरान उसने पुलिस से कहा कि वह अपनी गवाही कोर्ट में वकील के द्वारा देगी।

बहन मानकर पूजा से राखी बंधवाते थे अभिषेक के पिता

बाइक शोरूम स्वामी अभिषेक के पिता ने हत्या के बाद गंभीर आरोप लगाए थे। अभिषेक गुप्ता के पिता नीरज गुप्ता ने मीडिया को बताया था कि वह पूजा शकुन पांडेय से राखी बंधवाते थे। तीन साल तक इस रिश्ते को कायम रखा लेकिन पूजा ने रिश्ते को कलंकित किया। इसलिए पिछली दो बार से राखी नहीं बधवाई। अभिषेक के भाई आशीष ने बताया कि पिता जी विदाई के रूप में 5100 रुपये देते थे। उसके मन में क्या चल रहा है ये कोई नहीं भांप पाया। परिवार द्वारा आत्मदाह की धमकी के बाद एसएसपी ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया था कि पुलिस द्वारा मामले का खुलासा करते हुए शीघ्र ही पूजा शकुन को पकड़ लिया जाएगा।

पूजा शकुन को भाजपा और संघ का था घमंड

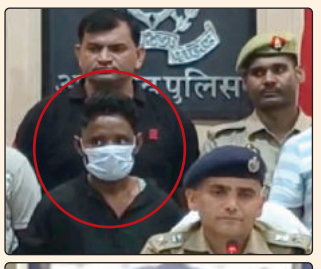

महामंडलेश्वर बनने के बाद पूजा शकुन पांडे और अशोक पांडे धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करते थे, जिनमें भाजपा और संघ के बड़े नेता भी शामिल होते थे। शूटर मोहम्मद फ़ज़ल ने पुलिस को बताया कि उसे पूजा शकुन पांडे ने भरोसा दिलाया था कि अगर कोई मुश्किल आई तो वह अपने राजनीतिक संपर्कों से उसकी मदद करवाएंगी। इन्हीं राजनीतिक संपर्कों का हवाला देकर पूजा अभिषेक को ब्लैकमेल करती थी।

पति संग महात्मा गांधी के पुतले को शूट करने का किया था ड्रामा

बता दें कि पूजा शकुन और उसके पति अशोक पांडे द्वारा 30 जनवरी 2019 को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के दिन उनके पुतले को एयरगन द्वारा गोली मारने का ड्रामा करने के बाद से उसे लेडी गोडसे भी कहा जाता था। इस मामले में भी उसके खिलाफ केस दर्ज किया गया था, बाद में फरार होने के कई दिन बाद उसने सरेंडर कर दिया था।

दीपावली से पहले मिलावटखोरों पर प्रशासन का शिकंजा

53 लाख से अधिक की खाद्य सामग्री सीज व नष्ट की गई , जिलाधिकारी के निर्देश पर चला विशेष अभियान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। दीपावली पर्व से पहले कानपुर प्रशासन ने मिलावटखोरों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए जनपदभर में खाद्य पदार्थों की जांच अभियान तेज कर दी है। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशानुसार संचालित इस विशेष अभियान में कुल 53,51,291 मूल्य की खाद्य सामग्री सीज व नष्ट की गई।

अभियान का संचालन सहायक आयुक्त (खाद्य)-II संजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर खाद्य तेल, दूध, खोया, छेना, मिठाई, नमकीन, ड्राई फ्रूट्स और वनस्पति तेल की जांच की।अभियान के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से 25 खाद्य नमूने संग्रहित कर प्रयोगशाला भेजे गए। नमूने खोया, पनीर, दूध, घी, मिठाई, नमकीन, ड्राई फ्रूट्स, खाद्य तेल, वनस्पति और रंगीन मिठाइयों के लिए लिए गए हैं।प्रयोगशाला रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य कार्यवाहियां

मेसर्स गायत्री तेल उद्योग, फजलगंज

खाद्य सचल प्रयोगशाला (एफएसडब्ल्यू) की जांच में संदेहास्पद पाए जाने पर 35,705 लीटर खाद्य तेल (मूल्य ?53,03,087) सीज किया गया। जांच में पाया गया कि निकट भविष्य में कालातीत होने वाले टिनों पर नई तिथि के स्टीकर लगाए जा रहे थे।

मेसर्स सत्यम स्वीट्स हाउस, महाराजपुर

अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार 75 किलो खराब छेना (मूल्य 22,500) को मौके पर नष्ट कराया गया। वहीं, रेऊना, घाटमपुर यहां 240 किलो खराब खोया व बदबूदार दूध (मूल्य ?23,000) नष्ट किया गया। साथ ही 10 किलो वेजीटेबल फैट (मूल्य ?2,704) को सीज किया गया। इस प्रकार कुल ?53,51,291 मूल्य की खाद्य सामग्री की सीज/नष्ट कार्यवाही की गई।

स्वच्छता एवं उपभोक्ता सुरक्षा निर्देश

खाद्य कारोबारियों को हाइजीनिक वातावरण में खाद्य सामग्री तैयार करने और विक्रय करने के निर्देश दिए गए। साथ ही दुकानदारों को निर्देशित किया गया कि दूध एवं छेने से बनी मिठाइयों की उपयोग अवधि (Shelf Life) बड़े अक्षरों में अंकित करें।

जिलाधिकारी बोले – शुद्धता पर कोई समझौता नहीं

जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि उपभोक्ताओं को शुद्ध, सुरक्षित और गुणवत्ता पूर्ण खाद्य सामग्री मिले।उन्होंने कहा त्योहारी सीजन में यह अभियान लगातार जारी रहेगा। मिलावटखोरी करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी ताकि आमजन को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।

करवा लेकर लौट रहे पति को ट्रैक्टर-ट्रॉली ने रौंदा, मौत

» अनियंत्रित होकर पलटने से दो राहगीर घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शुक्लागंज में करवाचौथ के दिन करवा लेकर घर लौट रहे पोनी गांव निवासी युवक की तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर एक घंटे हंगामा किया, जिसके बाद एसडीएम के आश्वासन पर वे शांत हुए।

शुक्लागंज में गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के आजादमार्ग पर पोनी गांव मोड़ के पास शुक्रवार दोपहर ईंट लादकर जा रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से महिला का सुहाग उजड़ गया। वहीं, ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलटने से दो राहगीर घायल हो गए। चालक वाहन छोड़कर भाग निकला। दुर्घटना में जान गंवाने वाला युवक करवाचौथ पर पत्नी के पूजन करने के लिए करवा लेकर घर लौट रहा था।हादसे से आक्रोशित लोगों ने चालक की गिरफ्तारी व मुआवजा की मांग को लेकर एक घंटे हंगामा किया। सूचना मिलने पर पहुंचे अधिकारियों ने परिजनों को समझाबुझाकर शांत कराया। इसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा सका। मूलरूप से उन्नाव के हसनगंज थाना क्षेत्र के मुंशीगंज निवासी राजू (40) मौजूद समय में गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के पोनी गांव में परिवार के साथ रहता था।

परिवार को दिलाई जाएगी सरकारी मदद

जाजमऊ की एक टेनरी में काम करता था। शुक्रवार को दोपहर करवाचौथ पर्व के करवा व पूजन सामग्री लेकर साइकिल से घर लौट रहा था तभी हादसे में उसकी जान चली गई। सड़क पर पलटे ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आकर पोनी गांव निवासी मंगल व केशन भी घायल हो गए। एसडीएम सदर क्षितिज द्विवेदी ने बताया कि जो भी सरकारी मदद होगी वह परिवार को दिलाई जाएगी।

नए नगर आयुक्त बने अर्पित उपाध्याय के लिए विकास और स्वच्छता को गति देना बड़ी चुनौती

शहर की ट्रैफिक, कूड़ा प्रबंधन और अधूरे प्रोजेक्ट्स बनेंगे पहली परीक्षा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। नगर निगम कानपुर में नए नगर आयुक्त के रूप में आईएएस अर्पित उपाध्याय ने कार्यभार संभाल लिया है। शासन के आदेश के तहत उन्होंने शुक्रवार को पद ग्रहण किया। 2018 बैच के युवा और ऊर्जावान आईएएस अधिकारी अर्पित उपाध्याय के सामने कानपुर जैसी बड़ी नगरी की चुनौतियां कम नहीं हैं।नगर निगम की जिम्मेदारी संभालते ही श्री उपाध्याय के सामने शहर की सफाई व्यवस्था, ठोस कचरा प्रबंधन, ट्रैफिक सुधार, जलभराव की समस्या, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स और स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग जैसी कई अहम चुनौतियां हैं।

पूर्व नगर आयुक्त सुधीर कुमार के कार्यकाल में जिन प्रोजेक्ट्स की नींव रखी गई, उन्हें गति देना भी नई जिम्मेदारी का अहम हिस्सा होगा। इनमें शहर की सड़कों का आधुनिकीकरण, नालों का निर्माण, हरित क्षेत्र बढ़ाने की योजनाएं और एमआरएफ सेंटरों का पुनर्संचालन प्रमुख हैं।शहरवासियों को उम्मीद है कि अर्पित उपाध्याय की प्रशासनिक दक्षता और युवा दृष्टिकोण से कानपुर विकास की नई दिशा पकड़ेगा। बताया जा रहा है कि वे जल्द ही अफसरों के साथ बैठक कर 100 दिन की कार्ययोजना तैयार करेंगे ताकि प्राथमिकता वाले प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा किया जा सके।नगर निगम के सूत्रों के अनुसार, नए नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान और पारदर्शी व्यवस्था उनकी पहली प्राथमिकता होगी।कानपुर अब अर्पित उपाध्याय के नेतृत्व में नई उम्मीदों के साथ आगे

लंबित मांगों को लेकर 10 नवंबर से अनिश्चितकालीन कार्यबंदी की चेतावनी

नगर निकाय कर्मचारियों ने लखनऊ में किया शक्ति प्रदर्शन

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ/कानपुर।प्रदेश की निकाय व्यवस्था गुरुवार को मानो लखनऊ में उतर आई। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर आयोजित विशाल धरना-प्रदर्शन में प्रदेशभर के नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों के हजारों कर्मचारी राजधानी की सड़कों पर उतर आए। कर्मचारी सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ जीपीओ पार्क गांधी प्रतिमा पर जुटे और मुख्यमंत्री एवं नगर विकास मंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन के माध्यम से सौंपा।

इस दौरान कर्मचारियों ने ऐलान किया कि यदि 9 नवम्बर 2025 तक उनकी लंबित मांगों पर आदेश जारी नहीं होते, तो 10 नवम्बर से प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन कार्यबंदी शुरू की जाएगी। साथ ही आगामी एक माह तक सभी निकायों में काली पट्टी बांधकर विरोध, क्रमिक अनशन, गेट मीटिंग और धरना-प्रदर्शन का सिलसिला जारी रहेगा।

सभा में प्रदेश के कानपुर, गाजियाबाद, मेरठ, मुरादाबाद, झांसी, आगरा, फिरोजाबाद, गोरखपुर, बरेली, शाहजहांपुर, वाराणसी, सहारनपुर, अलीगढ़, प्रयागराज, अयोध्या, मथुरा-वृंदावन सहित सैकड़ों नगर निकायों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सफाई कर्मचारी, जलकल कर्मचारी, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और नियमित व आउटसोर्सिंग कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शशि कुमार मिश्र और महामंत्री रमाकांत मिश्र ने कहा कि प्रदेश सरकार निकाय कर्मचारियों की 10 सूत्रीय मांगों को लेकर लगातार टालमटोल कर रही है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अकेंद्रीकृत सेवा नियमावली, वर्ष 2001 तक कार्यरत दैनिक वेतनभोगी, संविदा और तदर्थ कर्मचारियों के विनियमतीकरण जैसी प्रमुख मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो कर्मचारी आंदोलन को और तेज करेंगे।

सभा को महासंघ के कई वरिष्ठ नेताओं — राकेश अग्निहोत्री (कानपुर-गाजियाबाद), विनोद इलाहाबादी (आगरा), आर.पी. सिंह (गोरखपुर), छकोड़ी लाल (फिरोजाबाद), मो. अनीस (मेरठ), संजय सक्सेना (अलीगढ़), मो. सुभहान (मुरादाबाद), ठाकुर मिशनपाल सिंह (बरेली), अखिलेश सिंह (वाराणसी), धमेन्द्र कश्यप (शाहजहांपुर), रामकुमार (सहारनपुर), मो. परवेज खान (झांसी),

मनोज श्रीवास्तव (प्रयागराज), विनय बाघमार (अयोध्या) और उत्तम चन्द्र (मथुरा-वृंदावन) ने संबोधित किया।

इस आंदोलन को कर्मचारी-शिक्षक संयुक्त मोर्चा, जवाहर भवन-इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ, उ.प्र. राज्य कर्मचारी महासंघ, राज्य निगम कर्मचारी महासंघ, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद और रोडवेज कर्मचारी संघ सहित तमाम संगठनों का समर्थन मिला। इन संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारियों वी.पी. मिश्र, सतीश पांडेय, गिरीश मिश्र, घनश्याम यादव और अतुल मिश्र ने भी मंच से आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की।

लखनऊ नगर निगम के सैकड़ों कर्मचारी— कैसर रजा, रामकुमार रावत, शैलेन्द्र तिवारी, नितिन त्रिवेदी, आकाश गुप्ता, रूपेश पिंटू, नीबू लाल, सूरजभान सिंह, दीपक शर्मा, रेहान, जितेंद्र सिद्धार्थ, राजेन्द्र यादव, तूफानी, कुंवर जय सिंह, मो. हनीफ और अनिल दुबे सहित—धरना स्थल पर मौजूद रहे।

धरने के दौरान नगर निगम लखनऊ मुख्यालय और सभी जोन कार्यालय पूरी तरह बंद रहे।

कर्मचारियों का यह प्रदर्शन प्रदेश सरकार को चेतावनी देने के साथ-साथ यह संदेश भी दे गया कि यदि मांगे समय पर नहीं मानी गईं तो आने वाले दिनों में निकाय सेवाएं ठप हो सकती हैं।

करवाचौथ पर चांद भी शरमा गया, जब सोलह श्रृंगार में दिखीं सुहागिनें

अखण्ड सौभाग्य के पर्व पर आस्था, श्रृंगार और प्रेम से नहाया बिल्हौर

» सुहागिनों ने की पति के दीर्घायु की कामना।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। शुक्रवार को करवा चौथ का पर्व क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सूर्योदय के साथ ही सुहागिनों ने सरगी ग्रहण कर निर्जला व्रत की शुरुआत की। दिनभर भूखे-प्यासे रहकर उन्होंने अपने पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। सड़कों से लेकर गलियों तक सजे बाजारों में चूड़ी, सिंदूर, साड़ी और मेहंदी की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ ने त्योहार का उल्लास दोगुना कर दिया।

शाम होते ही महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर पारंपरिक पोशाकें धारण कीं। लाल, गुलाबी और सुनहरी साड़ियों में सजी सुहागिनें पूरे दिन उत्सव की तैयारी में जुटीं रहीं। कहीं महिलाएं मिलकर पूजा थाल सजा रही थीं तो कहीं सुहाग सामग्री और करवे को चमका रही थीं। मेहंदी की सुगंध और पारंपरिक गीतों की गूंज से माहौल भक्ति और उल्लास से भर उठा। संध्या होते-होते मंदिरों में पूजा-अर्चना का दौर शुरू हो गया। कई जगह महिलाओं ने सामूहिक पूजा की। मां गौरी और भगवान गणेश की आराधना कर करवा चौथ कथा सुनी गई।

इस दौरान कई महिलाओं ने एक-दूसरे को सुहाग सामग्री भेंट की और अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगा। जैसे-जैसे रात गहराती गई, आसमान में चाँद की प्रतीक्षा बढ़ती गई। हर घर की छत पर दीपक टिमटिमा रहे थे, और सजी हुई सुहागिनें छलनी हाथ में लिए नज़रें आसमान पर टिकाए खड़ी थीं। जैसे ही चाँद ने बादलों की ओट से झलक दिखाई, महिलाओं के चेहरे खिल उठे। उन्होंने छलनी से चाँद को देखा, फिर अपने पति का चेहरा निहारा, अर्घ्य अर्पित किया और फिर व्रत का पारण किया। इस क्षण का रोमांच और भावनाएं पूरे वातावरण में घुल गईं। प्रेम, आस्था और परंपरा के इस अद्भुत संगम ने बिल्हौर, चौबेपुर, शिवराजपुर, ककवन, व अरौल को करवा चौथ की रंगीन छटा से सराबोर कर दिया।

नेताजी को याद कर सपाइयों ने लिया 2027 में सरकार बनाने का संकल्प

बिल्हौर में इकट्ठा हुआ कार्यकर्ताओं का हुजूम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। समाजवादी पार्टी ने शनिवार को अपने प्रणेता और पूर्व मुख्यमंत्री नेताजी मुलायम सिंह यादव की तीसरी पुण्यतिथि श्रद्धा और भावनाओं के साथ मनाई। बिल्हौर कस्बे के जीटी रोड स्थित सपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

कार्यक्रम का आयोजन सपा नेता विनय कोरी और आशीष सिंह चटरू के नेतृत्व में किया गया। पूर्व जिलाध्यक्ष चौधरी निर्भय सिंह यादव ने नेताजी के संघर्षपूर्ण जीवन और उनके जनहितकारी कार्यों पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि नेताजी ने हमेशा किसानों, गरीबों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों की आवाज़ को बुलंद किया। उनके विचार आज भी समाजवादी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं।कार्यक्रम के दौरान आशीष सिंह चटरू और विनय कोरी ने नेताजी के सिद्धांतों पर चलते हुए आगामी 2027 में समाजवादी सरकार बनाने का संकल्प दोहराया। कार्यकर्ताओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया।

कार्यक्रम में अभिषेक सिंह मटरू, सहिर हुसैन, अरशद सिद्दीकी (नगर अध्यक्ष), नवीन यादव, कुलदीप यादव, पंकज यादव, शिवम यादव, प्रदीप यादव, सत्येंद्र यादव, भारत सिंह, हरीनाथ, राकेश (पप्पू पहलवान), प्रदीप सविता, तिलक सिंह, अफसर अली, दशरथ, रामसिंह, अनिल, रवी, महेंद्र, अमीनचंद्र, आरिफ, मोहलीम, सलमान कुरैशी, समेत अन्य सपाई मौजूद रहे।

जनपदीय खेल कूद में बिल्हौर जोन का दबदबा, विजेताओं का सम्मान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर(कानपुर)। बी. एन. एस. डी. शिक्षा निकेतन मैदान पर कानपुर नगर जनपद की जनपदीय खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन जिला विद्यालय निरीक्षक कानपुर नगर के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिताओं में ओवरऑल चैंपियन बिल्हौर जोन रहा।

इस अवसर पर बिल्हौर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सुरजीत यादव ने विजयी बालक एवं बालिकाओं का स्वागत करते हुए उन्हें सम्मानित एवं पुरस्कृत किया। विजेताओं में छात्र अरशलान, ओम शंकर, यूकांश, तथा छात्राएँ आरती, प्रिया, सोनिका, सुनैना शामिल रहीं। साथ ही क्रीड़ा इंचार्ज अक्षय कुमार, दिनेश चंद और कुमारी दीप्ति सिंह को भी सम्मानित किया गया।

प्रधानाचार्य ने कहा कि कॉलेज स्तर पर खेल कूद में विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें प्रोत्साहित करने की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने विजेताओं को ट्रैक सूट भेंट करने की भी घोषणा की। बिल्हौर इंटर कॉलेज के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल पैदा कर दिया।

शिवराजपुर पुलिस ने किया वाहन चोरों का पर्दाफाश

बिल्हौर (कानपुर)। शिवराजपुर थाना क्षेत्र के काकूपुर गांव के मोड़ पर शुक्रवार को पुलिस ने सघन कार्रवाई कर पांच वाहन चोरों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से चोरी की 6 बाइक और 3 मोबाइल फोन बरामद किए गए।

पकड़े गए आरोपियों में जतिन सविता (भैंसऊ), आशुतोष यादव उर्फ आशू (बुधपुर), अनुज कमल (जगदीशपुर), सौरभ यादव (ईघरा जगतपुर) और शिवाजी (शिवली) शामिल हैं। आरोपियों को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया। कार्यवाहक थाना प्रभारी राज पाल सिंह ने बताया कि क्षेत्र में बाइक चोरी की कई घटनाएं हो चुकी हैं। पुलिस लगातार चोरों की तलाश में थी और मुखबिर की सूचना पर यह बड़ी सफलता हासिल हुई। एसीपी अमरनाथ यादव ने कहा कि पुलिस इस तरह की वारदातों पर लगातार निगरानी रखे हुए है और अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

सम्पादकीय

पुलिस व खुफिया एजेंसियां बढ़ाएं चौकसी

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बीच कुछ देश विरोधी तत्वों का पर्दाफाश होना चौंकाता है कि कैसे कुछ लोग पैसे व शानोशौकत के लालच में देश की सुरक्षा व लोगों का जीवन भी दांव पर लगा देते हैं। देश के भीतर ये दुश्मन बेहद घातक हैं। पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई से ताल्लुक रखने पर पिछले दिनों हरियाणा, पंजाब व यूपी के कुछ लोगों की गिरफ्तारी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। ये एक गंभीर चुनौती है और हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों और खुफिया संस्थाओं को अब इस चुनौती को गंभीरता से लेना होगा। ये तत्व न केवल जासूसी में लिप्त थे बल्कि भारत विरोधी प्रचार का भी हिस्सा थे। जो देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ ही सांप्रदायिक सद्भाव को भी खतरे में डाल सकते हैं। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा की रहने वाली सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज्योति कथित तौर पर हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक कर्मचारी के संपर्क में थी, जिसे हाल ही में भारत विरोधी गतिविधियों के लिये देश से निकाला गया। इस मामले में चल रही जांच से पता चला है कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले से पहले ज्योति कश्मीर गई और उससे पहले पाकिस्तान गई थी। उस पर पाक के खुफिया अधिकारियों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप हैं। यूपी के रहने वाले शहजाद और नौमान इलाही पर भी इसी तरह के आरोप हैं। पंजाब में मालेरकोटला के दो लोगों को भी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसियों को पता लगाना होगा कि क्या इन आरोपियों की सैन्य या रक्षा अभियानों से संबंधित जानकारी तक सीधी पहुंच थी या वे इसे उच्च पदस्थ स्रोतों से प्राप्त कर रहे थे? रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियां ज्योति को एक खुफिया एजेंट के रूप में तैयार कर रही थीं। वह सीमा पार से चलाए जा रहे नेटवर्क का हिस्सा थी। उम्मीद है कि पूछताछ में ऐसे सबूत मिल सकते हैं जो भारत के खिलाफ बड़ी साजिशों का खुलासा कर सके।निस्संदेह, भारत विरोधी शक्तियों के हाथ में खेलकर देश को मुश्किल में डालने का यह कृत्य परेशान करने वाला है। बहुत संभव है कि जासूसी कांड में लिप्त ये भारतीय बड़े आर्थिक प्रलोभनों के लालच में पाक एजेंटों के जाल में फंसे हों। निस्संदेह, इन लोगों की परवरिश में कहीं चूक रही है जो इन्हें यह बोध नहीं करा सकी कि चंद पैसों व सुविधाओं के लालच में देश के साथ गद्दारी नहीं करनी चाहिए। निश्चय ही यह खुलासा राष्ट्रघाती खेल का छोटा हिस्सा है, आने वाले समय में और बड़ी मछलियां इस दलदल में पकड़ी जा सकेंगी। आने वाले वक्त में कई ऐसे जासूसों का खुलासा हो सकता है, जो आतंकवादियों को भारत की धरती पर हमला करने का इनपुट दे रहे हों।

केंद्र व राज्य सरकारों, मीडिया और जनता को मिलकर ऐसे तत्वों को बेनकाब करने में मदद करनी चाहिए ताकि देश मे छुपी इन काली भेड़ों को बाहर किया जा सके। एक छलकपट वाले सूचना युद्ध के माध्यम से देश को नुकसान पहुंचाने की आईएसआई की साजिश को सख्ती से नाकाम किया जाए। विडंबना है कि पाकिस्तान भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गलत फायदा उठा रहा है। वह सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज्योति का इस्तेमाल न केवल जासूसी के लिये कर रहा था बल्कि भारत के खिलाफ प्रचार तथा पाक की छवि को सुधारने के लिये भी कर रहा था। ज्योति पर आरोप है कि वह सोशल मीडिया के जरिये पाक की उजली छवि गढ़ रही थी। आरोप ये भी कि उसकी एक पाक खुफिया अधिकारी से अंतरंगता रही है, जिसके साथ वह बाली घूमने भी गई थी।

विराट और उनकी कालजयी विराटता

प्रदीप मैगजीन

वह विराट, जो चुनौतियों में फला-फूला था और जिसे तगड़ा मुकाबला पसंद था, आखिरकार उसने खुद को यह समझा लिया कि अब मैदान से हटने और जीवन में आगे बढ़ने का समय आ गया है। जीवन में 'केवल' क्रिकेट के अलावा भी बहुत कुछ है।हर वह चीज़ जिसकी शुरुआत है, उसका अंत भी है, चाहे वह जीवन हो या खिलाड़ी का करियर। इन दो छोरों के बीच, सफलता-असफलता, खुशी-गम, जीत-हार के साथ जीवन संघर्ष अपने आप में एक अप्रत्याशित यात्रा है। खेल की दुनिया में, रिटायरमेंट चाहे मजबूरी में हो या स्वेच्छा से, वह अंतिम मुकाम है, जहां पर खेल-यात्रा खत्म हो जाती है।टेस्ट क्रिकेट में विराट कोहली की पारी खत्म हो गई है। कई लोगों का मानना है कि यह समय से पहले लिया गया फैसला है, जबकि कोहली का मानना है उनके पास टेस्ट क्रिकेट की कठिन दरकारों में सफल होने के वास्ते जो ऊर्जा, मानसिक शक्ति और कौशल होना चाहिए, खासकर इंग्लैंड जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में, अब पहले जैसा नहीं रहा। यहां तक कि दस हजार टेस्ट रन का मील का पत्थर, जो कि बहुत करीब था, वह भी इंग्लैंड जाने और क्रिकेट के मैदान पर अपनी ज्वलनशील ऊर्जा को बाहर निकालने का पर्याप्त लालच न बन पाया।

कोहली अब 36 वर्ष के हैं, दो बच्चों के पिता हैं। उनकी जीवन संगिनी फिल्म स्टार अनुष्का हैं, जिन्होंने एक व्यक्तित्व के रूप में उनके विकास में बहुत योगदान दिया है। जीवन के बही-खाते में, यह एक ऐसी उम्र है जब पूरी दुनिया आपके आगे होती है, पीछे नहीं। लेकिन एक खिलाड़ी के जीवन में, यह वह उम्र होती है जहां करिअर का अंत सामने नज़र आने लगता है। मन चाहे करे, लेकिन शरीर साथ नहीं देता। हालांकि, कोहली के मामले में इसका उल्टा है। टेस्ट क्रिकेट में उनकी फॉर्म भले ही पहले जितनी न रही हो लेकिन उनकी फिटनेस का स्तर किसी किशोर को भी शर्मिंदा कर सकता है। सफ़ेद गेंद वाले क्रिकेट प्रारूप में उनकी सफलता और आईपीएल की फॉर्म के बूते उनकी प्रतिष्ठा जस की तस है, तथापि उनका मानना है कि अब उन्हें उस प्रारूप को अलविदा कर देना चाहिए जिसे वह सबसे ज़्यादा प्यार करते हैं, जिसे उन्होंने 'खून, पसीने और आंसू' से सींचा है। एक ऐसा प्रारूप जिसे वह 'इश्क' करते हैं और जिसने उन्हें एक व्यक्ति के रूप में 'आकार' दिया।पारंपरिक ज्ञान यह कहता है कि आप अपने पास वही रखें जो आपको सबसे ज़्यादा पसंद है और जो अधिक महत्वपूर्ण न हो और जिसमें सार और अर्थ नहीं है, उसे तज दें। तब क्यों न सफ़ेद टेस्ट क्रिकेट की बजाय सफेद गेंद वाले प्रारूप को छोड़ते? लेकिन! समस्या यहीं पर है। अपनी अपार लोकप्रियता और प्रशंसकों के अलावा, कम ओवर वाले क्रिकेट प्रारूप (आईपीएल) को मानसिक और शारीरिक रूप से इसके लघु प्रारूप यानी टी-20 के मुकाबले संभालना ज्यादा आसान है। शायद यह 'धंधा' इस मायने में मजेदार है, जिसमें विफलता बहुत नुकसान नहीं पहुंचाती और न ही सफलता यह महसूस करवाती है कि आप शिखर पर पहुंच गए हैं। और आईपीएल में आप जो करोड़ों कमाते हैं, वह इसे न छोड़ने के लिए एक अतिरिक्त प्रोत्साहन है। यह किसी राष्ट्र के लिए न होकर एक व्यावसायिक उद्यम के लिए प्रतिबद्धता है, जहां विफलता का जोखिम 'विश्वासघात' के बराबर नहीं है।प्रतिबद्धता, अनुशासन और एकाग्रता का प्रतीक विराट, प्रतिद्वंद्वियों का ध्यान अपने शारीरिक हाव-भावों से भंग करने वाली खूबी रखने के साथ खेल के लघु संस्करण में प्रतिद्वंद्वियों को चबाने की ताब रखते हैं। वह बल्लेबाजी, दौड़ने और मानसिक दृढ़ता में उन्हें मात दे सकते हैं। वे अब क्रिकेट के सबसे कठिन प्रारूप यानी टेस्ट क्रिकेट में ऐसा नहीं कर सकते। उनके पास अपने खेल में रिस चुकी तकनीकी कमियों से पार पाने और पूरे पांच दिनों तक विस्फोटक स्तर को बनाए रखने के लिए पहले जितनी ऊर्जा और ताकत नहीं रही।सही मायने में विराट वीरता का सबसे बढ़िया मूर्त रूप हैं। वह निडर योद्धा, जो अपने विरोधियों को छकाने करने के लिए खुद को महामानव-सी ऊर्जा से भर लेता है। दुनिया के क्रिकेट इतिहास में दुर्लभ और भारत में भी इससे पहले ऐसा कोई नहीं हुआ जिसकी आक्रामकता, यहां तक कि अपनी तीव्र और कठोर अभिव्यक्ति में, जैन मुनियों जैसी एकाग्रता के साथ शानदार प्रदर्शन करने से लैस हो।

वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना

वैवाहिक रिश्ते

डॉ. सुधीर कुमार

अगर किसी पति या पत्नी को बिना वजह छोड़ दिया गया है, तो उन्हें अदालत में जाकर कहने का अधिकार है कि वे अपना वैवाहिक जीवन फिर शुरू करना चाहते हैं। कानून एक को मजबूर कर सकता है कि वह साथ रहे। लेकिन अब अदालतें मान रही हैं कि इच्छा के विरुद्ध रिश्ते में रहने को मजबूर करना सही नहीं।अगर पति-पत्नी अलग हो जाते हैं, तो कानून एक को मजबूर कर सकता है कि वह वापस दूसरे के साथ जाकर रहे। इसे वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना कहते हैं। भारतीय कानून में, यह प्रावधान प्रमुखत- हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 9 के तहत आता है। यानी अगर किसी पति या पत्नी को बिना किसी वजह छोड़ दिया है, तो यह कानून उन्हें अदालत में जाकर कहने का अधिकार देता है कि वे अपना वैवाहिक जीवन फिर शुरू करना चाहते हैं।

इसे कहते हैं, 'चलो फिर से साथ रहो' का कानूनी तरीका।लेकिन आजकल लोग अपनी आजादी और मर्जी को ज़्यादा मानने लगे हैं। अदालतें भी सोचने लगी हैं कि किसी को जबरदस्ती साथ रहने के लिए कहना ठीक नहीं। इसलिए, अब वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना पहले जितना आसान नहीं रहा। अदालतें अब यह देखती हैं कि क्या वाकई दोनों साथ रह सकते हैं या फिर उन्हें अपनी ज़िंदगी अपनी मर्जी से जीने का हक है। अब यह ज़्यादा 'पसंद' की बात हो गई है, न कि सिर्फ कर्तव्य की। अब कानून नहीं कहता कि हर हाल में साथ रहो। देखता है कि क्या दोनों अपनी इच्छा से साथ रहना चाहते हैं।पहले माना जाता था कि विवाह में पति-पत्नी का एक साथ रहना उनका कर्तव्य है, और

यदि कोई एक साथी अलग रहना चाहता था, तो अदालत उसे वापस आने के लिए मजबूर कर सकती थी। लेकिन, अब अदालतें भी समझने लगी हैं कि किसी को उसकी इच्छा के विरुद्ध रिश्ते में रहने को मजबूर करना सही नहीं। कानून 'कर्तव्य' से 'पसंद' की ओर बढ़ रहा है।कई अन्य देशों में, वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना का कानून या तो पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है, या इसे बहुत ही कम और विशिष्ट हालात में इस्तेमाल किया जाता है। इन देशों में कानूनी दृष्टिकोण इस मान्यता पर आधारित है कि व्यक्ति को इस मामले में अधिकार होना चाहिए कि वह किसके साथ अपना जीवन बिताना चाहते हैं। यानी राज्य को इस व्यक्तिगत और अंतरंग मामले में हस्तक्षेप का हक नहीं। इस सोच के पीछे अहम कारण निजी स्वतंत्रता और स्वायत्तता को सर्वोपरि माना जाना है। यह निजता के अधिकार और यह तय करने की स्वतंत्रता का हनन है कि वे निजी जीवन में कैसे संबंध रखना चाहते हैं। इसके अतिरिक्त, कई देश तर्क देते हैं कि जबरदस्ती से बनाए गए रिश्ते अक्सर अस्वस्थ और दुखद होते हैं। यदि एक साथी संबंध से बाहर निकलना चाहता है, तो उसे वापस रहने के लिए मजबूर करने से केवल तनाव, मनमुटाव और संभावित दुर्व्यवहार ही बढ़ सकता है। कानून का उद्देश्य रिश्तों को बनाए रखना होना चाहिए, लेकिन ऐसे रिश्तों को नहीं जो आपसी सहमति और सम्मान पर आधारित न हों। कुछ देशों ने इस कानून को इसलिए समाप्त कर दिया कि यह लैंगिक रूप से पक्षपातपूर्ण है। इस का इस्तेमाल अक्सर महिलाओं को उनके अनिच्छुक पतियों के साथ वापस रहने के लिए मजबूर करने को किया जाता था, जबकि पुरुषों को ऐसी बाध्यता का सामना शायद ही कभी करना पड़ा।

भारत में भी अदालतें वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना कानून के बारे में चिंताएं व्यक्त कर रही हैं। उनका मानना है कि इस कानून का इस्तेमाल किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध विवाह में बने रहने के लिए मजबूर करने के लिए किया जा सकता है। यह चिंता महिलाओं के लिए अधिक है, जिन्हें अक्सर अपने पति के साथ रहने के लिए बाध्य किया जाता है, भले ही वे दुर्व्यवहार, क्रूरता झेल रही हों। अदालतों की चिंता यह भी कि क्या यह कानून नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

आयकर विभाग : धार्मिक व चैरिटेबल ट्रस्टों को लेकर नई गाइडलाइन

» विभाग ने कहा कि ट्रस्ट या संस्था को दान देते समय यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि दान की राशि का उपयोग वास्तविक सामाजिक, शैक्षणिक या धार्मिक उद्देश्यों के लिए ही हो

» जागरूकता अभियान आयोजित कर रहा विभाग

कार्यालय आयकर अधिकारी (छूट) कानपुर द्वारा आयोजित किया गया।

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड नई दिल्ली के निर्देशों के अनुपालन में आज आयकर विभाग कानपुर के सभागार, सिविल लाइंस स्थित आयकर भवन में आयकर जागरूकता एवं जनसंपर्क अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आयकर आयुक्त (छूट) लखनऊ के दिशा-निर्देशों एवं अपर आयकर आयुक्त (छूट प्रभाग) गाजियाबाद के मार्गदर्शन में

कार्यक्रम में आयकर अधिकारी (छूट) कानपुर नरेंद्र सिंह ने धार्मिक, शैक्षणिक एवं परोपकारी ट्रस्टों से संबंधित आयकर प्रावधानों की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि किसी भी ट्रस्ट या संस्था को दान देते समय यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि दान की राशि का उपयोग वास्तविक सामाजिक, शैक्षणिक या धार्मिक उद्देश्यों के लिए ही हो। यदि किसी ट्रस्ट द्वारा दान की राशि का दुरुपयोग — जैसे आतंकी फंडिंग, धन शोधन या अन्य अपराधों के लिए — किया जाता है, तो न केवल संस्था के सदस्यों पर बल्कि दानदाता पर भी कार्यवाही की जा सकती है।

नरेंद्र सिंह ने प्रस्तुति के माध्यम से धारा 12एबी एवं 80जी के अंतर्गत छूट प्राप्त करने की प्रक्रिया, पंजीकरण, नवीनीकरण एवं संबंधित नियमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छूट प्राप्त संस्थाओं के लिए आय आवेदनफ़ और उससे संबंधित प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य है। साथ ही, आवश्यक प्रपत्र दाखिल करने की समयसीमा पर भी चर्चा की गई।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने बताया कि आयकर अधिनियम 2025 में परोपकारी संस्थाओं से जुड़े प्रावधानों को और अधिक सरल बनाया गया है, ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा दिया जा सके।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि राघवेंद्र सिंह (संयुक्त आयुक्त), एस.के. वर्मा (सहायक आयुक्त), पूर्व आयकर अधिकारी शरद प्रकाश अग्रवाल तथा लेखा विशेषज्ञ गोविंद कृष्ण ने उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित किया। गोविंद कृष्ण ने ऐसी संस्थाओं द्वारा दाखिल की जाने वाली आय विवरण प्रपत्रों और उनसे संबंधित कानूनी प्रावधानों पर विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम में कानपुर के विभिन्न शैक्षणिक, धार्मिक एवं परोपकारी ट्रस्टों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ लेखा विशेषज्ञ

समिति कानपुर, आयकर अधिवक्ता संघ कानपुर के सदस्य और आयकर विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मंच संचालन का दायित्व आयकर निरीक्षक राम साकेत त्रिपाठी ने निभाया।

कार्यक्रम में के.के. शुक्ला, शरद प्रकाश अग्रवाल, पंकज यादव (आयकर निरीक्षक), विकास सचान सहित अनेक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सपा का सीधा आरोप,मायावती को इस्तेमाल कर रही भारतीय जनता पार्टी

» सुरेंद्र मैथानी ने किया सपा विधायक अमिताभ बाजपेई पर पलटवार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर/लखनऊ। कांशीराम की पुण्यतिथि के मौके पर लखनऊ में नौ अक्टूबर को आयोजित महा रैली में बसपा प्रमुख मायावती के बयान पर स्थानीय सपा भाजपा नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। आर्य नगर से सपा विधायक अमिताभ बाजपेई ने भाजपा पर मायावती को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने बसपा को भाजपा की भी टीम बताया।

दूसरी ओर भाजपा के गोविंदनगर विधायक सुरेंद्र मथानी ने कहा के मायावती सपा सरकार में गेस्ट हाउस कांड को भूली नहीं हैं। इसीलिए उन्होंने सपा के चरित्र का बखान रैली में किया। गौरतलब है कि बसपा प्रमुख मायावती ने नौ साल बाद नौ अक्तूबर को लखनऊ में महारैली की थी। इसमें उन्होंने मंच से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ कर सपा को दोगला बताया था।

बहुत साल बाद बहन जी ने कोई रैली की है

अभिताभ बाजपेई ने कहा कि मायावती बीजेपी की बी पार्टी के रूप में काम कर रही है। यह बात उनके बयान से साफ झलक रही है। बहुत साल बाद बहन जी ने कोई रैली की है। हमेशा तो बुलाई नहीं है। अगर कांशीराम के प्रति इतनी सद्भावना होती तो हर साल यह रैली बुलातीं। समाजवादी पार्टी को पीडीए का जो समर्थन मिल रहा है, उससे भाजपा भारी दबाव में है। इसलिए भाजपा ने मायावती को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। 2027 में अगर वह अकेले चुनाव लड़ेंगी, तो वह भाजपा की ही मदद करेंगी।

हसन रूमी ने बसपा की रैली को सत्ता संरक्षित रैली बताया

छावनी से सपा विधायक मोहम्मद हसन रूमी ने बसपा की रैली को सत्ता संरक्षित रैली बताया। उन्होंने कहा कि आमतौर पर विपक्षी दल सत्ता पक्ष की कमियां बताते हैं। इस रैली में ऐसा न करके बसपा प्रमुख ने खुद साबित कर दिया कि वह सत्ता पक्ष की ही भाषा बोल रही हैं। बेहतर होता कि वह सरकार की उन कमियों को गिनातीं जिनकी वजह से पीडीए वर्ग परेशान और हताश है।

बहन मायावती गेस्ट हाउस कांड को भूली नहीं हैं

वहीं, सुरेंद्र मैथानी ने कहा कि बहन मायावती गेस्ट हाउस कांड को भूली नहीं हैं। उन्होंने सपा सरकार भी झेली है। गेस्ट हाउस कांड में उनकी हत्या का प्रयास किया गया। उनको बर्बाद करने और अस्मिता से खेलने का प्रयास किया गया। आज जो कानून व्यवस्था को देख रहा है अगर वह दलगत और वोट बैंक की राजनीति से हटकर के बात करें तो इसी प्रकार का बयान देगा। तब सपा भी भाजपा सरकार की तारीफ करेगी। ऐसे में मायावती भी कहेंगी कि सपा बी पार्टी है।

एलएंडटी के वेयर हाउस में भीषण आग

करीब 10 करोड़ का माल राख, किसी तरह की जनहानि नहीं हुई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में पनकी थाना क्षेत्र के पड़ाव स्थित मेट्रो को माल सप्लाई करने वाली कंपनी एलएंडटी के वेयर हाउस में शुक्रवार रात करीब नौ बजे आग लग गई। आग से करीब 10 करोड़ रुपये कीमत का माल जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंचीं दमकल की आठ गाड़ियों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया।

करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। पनकी पड़ाव में रोहित बाजपेई के मकान के पीछे गोदाम है, जिसे मेट्रो ने किराये पर लेकर अपना वेयर हाउस बनाया है। शुक्रवार रात वेयर हाउस में अचानक आग लग गई।

केमिकल के चलते आग ने विकराल रूप लिया

आग की लपटें उठती देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पनकी किदवईनगर और फजलगंज से फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। यार्ड में केमिकल होने के चलते आग ने विकराल रूप ले लिया। हालांकि, तमाम प्रयासों के बाद भी करीब पांच घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका।

किसी तरह की जनहानि नहीं हुई

मेट्रो के मैनेजर महेंद्र सिंह के मुताबिक करीब 10 करोड़ का नुकसान हुआ है। जो माल पड़ा था सब जलकर राख हो गया है। सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने का अनुमान है। फायर ब्रिगेड की आठ गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया है। किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है।

हॉस्टल में पहुंची लपटें

वेयर हाउस के बगल में हॉस्टल है। रोहित के अनुसार वेयर हाउस में लगी आग की लपटें हॉस्टल तक पहुंच गईं। छत पर पानी की टंकी और तख्त समेत अन्य सामान जल गए। हॉस्टल में कोचिंग करने वाले लड़के रहते हैं।

घर से निकल कर भागे लोग

वेयर हाउस में लगी आग रात 12:30 तक जलती रही। आग की लपटों ने हॉस्टल समेत पड़ोस के 10 घरों को चपेट में ले लिया। आग की लपटें देखकर सभी लोग घर से बाहर निकल आए। करीब दो घंटे बाद आग कम होने पर लोग घरों में गए।

नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान, ससुराल में मचा कोहराम

» विवाह को बीता था सिर्फ एक साल, मायके से लौटी थी दस दिन पहले

» फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, पुलिस जांच में जुटी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र के जलालपुर नागिन गांव में शनिवार सुबह एक 24 वर्षीय नवविवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतका की पहचान रिंकी (24 वर्ष) पत्नी ललित कुमार के रूप में हुई है। रिंकी की शादी मात्र एक वर्ष पूर्व रसूलाबाद थाना क्षेत्र के भवनपुर गांव निवासी ललित कुमार के साथ हुई थी। जानकारी के अनुसार, रिंकी करीब दस दिन पहले मायके गई थी और शुक्रवार को उसका देवर अंकित उसे घर वापस लेकर आया था।शनिवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे ललित कुमार ड्यूटी के लिए निकल गया। घर में उसके पिता दाढ़ी बना रहे थे और मां सुनीता साथ में थीं। इसी दौरान जब सुनीता अंदर कमरे में गईं तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। आवाज देने पर कोई जवाब नहीं मिला, तो मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए। ईंट के बने जिंगले से झांककर देखा गया तो रिंकी फांसी के फंदे पर झूल रही थी।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतरवाया गया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पारिवारिक कलह का प्रतीत होता है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। अभी तक परिजनों की ओर से कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

ईओ के झूठ ने खोली पोल- कागज़ों में चल रहा एमआरएफ सेंटर, ज़मीन पर पसरा कूड़ा!

स्वराज इंडिया ने एमआरएफ सेंटर की हकीकत का खुलासा किया था

» खबर छपने के बाद भी नहीं जागे नगर पंचायत के अफसर, पीएम-सीएम की योजना पर अफसरों ने फेरा पानी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (संवाददाता)।नगर पंचायत रसूलाबाद में स्वच्छता मिशन की पोल खुल गई है। एमआरएफ सेंटर (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) जो कि नगर के कूड़ा प्रबंधन के लिए बनाया गया था, महीनों से ताला बंद पड़ा है। अफसरों के दावों के विपरीत यह सेंटर कागज़ों में ही संचालित दिखाया जा रहा है। सड़क किनारे कूड़े के ढेर, उठती दुर्गंध और सुलगते कचरे ने नगरवासियों का जीना दूभर कर दिया है।

नगर पंचायत की मनमानी से लोगों में रोष है। कचरे में कर्मचारियों द्वारा लगाई गई आग अब लोगों की सांसों पर भारी पड़ रही है। उठते धुएं से वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी हो रही है। इस संबंध में 8 अक्टूबर को आपके समाचार पत्र स्वराज इंडिया में सेंटर की बंद पड़ी व्यवस्था की खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी। इसके बाद भी जिम्मेदार अफसरों ने कोई संज्ञान नहीं लिया। प्रशासन की इस उदासीनता ने साफ कर दिया है कि स्वच्छता के नाम पर सिर्फ फाइलों में सफाई हो रही है, ज़मीनी हकीकत गंदगी में डूबी है।

स्वराज इंडिया

स्वराज इंडिया | कानपुर सिटी | 09

16 लाख लगाकर बना एमआरएफ सेंटर अब बन गया कबाड़घर!

» रसूलाबाद में कूड़ा निस्तारण योजना ठप, लाखों की मशीनें जंग खा रही

» ईओ बोले सेंटर चालू है, जबकि सभासदों ने बताया अब तक नहीं हुआ संचालन

क्या बोले ईओ

कबाड़ के भाव में खड़ी मशीनों की फोटो

आंदोलन की दी चेतावनी

सेंटर की स्थापना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की स्वच्छ भारत मिशन योजना के अंतर्गत की गई थी। लेकिन अफसरों की लापरवाही से यह योजना अब मज़ाक बनकर रह गई है। जनता पूछ रही है कि जब सेंटर बंद है, तो सरकारी धन का हिसाब कौन देगा? स्थानीय निवासियों ने कहा कि अगर जल्द व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुई, तो वे आंदोलन करेंगे। सरकारी योजनाओं को अफसर खुद बदनाम कर रहे हैं। जनता करोड़ों का टैक्स देती है, बदले में उसे धुआं और गंदगी मिल रही है।

क्या बोले जिम्मेदार अधिकारी

नगर निकाय कानपुर देहात के नोडल अधिकारी एडीएम प्रशासन अमित कुमार ने कहा कि अभी बैठक में हूं, ईओ से बात कर जल्द सेंटर को चालू कराया जाएगा।

विद्यालय के सामने भरे गंदे पानी से गुजर रहें नौनिहाल, अफसरों की निगाह नहीं

स्कूल के बच्चों के लिए बड़ी मुसीबत

» सूचना देने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं अफसर बने अनजान

» ग्राम प्रधान ने बताया बहुत जल्द कराया जाएगी मिट्टी का भराव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की लापरवाही के चलते उच्च प्राथमिक विद्यालय काटा बुझवा में विद्यालय के चारों ओर भारी जलभराव है। यहां तक की विद्यालय जाने के लिए किसी भी प्रकार की कोई सड़क नहीं बनाई गई। आलम यह है कि बच्चे किसी तरह पानी मंझाकर विद्यालय तक पहुंच रहे हैं। बावजूद इसके जिम्मेदारों के कान में जूं नहीं रेंग रही।

रसूलाबाद विकास खंड क्षेत्र के अंतर्गत कठिका बुझवा गांव में स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के लिए विद्यालय जाना मुसीबत बना हुआ है। विद्यालय जाने के लिए चारों ओर से अस्थायी रास्ता बंद है और पानी भरा हुआ है। अनवरत कई सालों से विद्यार्थियों की यह समस्या बनी हुई है। स्थानीय शिक्षकों की माने तो लंबे अरसे से विद्यालय को जाने के लिए रास्ता निर्माण की मांग की गई लेकिन जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों और ग्राम पंचायत सचिव ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। उक्त संदर्भ में जब खंड शिक्षा अधिकारी अजब सिंह से बात की तो उन्होंने बताया कि हमारे विभाग की ओर से यह कार्य नहीं हो सकता। मेरा द्वारा ग्राम प्रधान को बताया गया साथ ही जिले की मुख्य विकास लक्ष्मी एन सहित अन्य अधिकारियों को चिट्ठी लिखी है लेकिन अभी तक किसी के द्वारा न जल निकासी की उचित व्यवस्था की गई न ही मिटटी डाली गई। इस बाबत ग्राम प्रधान रानी देवी ने बताया कि बारिश का मौसम अब खत्म हुआ है जैसे ही मिट्टी मिलेगी सबसे पहले विद्यालय परिसर में मिट्टी का भराव करेंगे ताकि जलभराव न हो और सड़क निर्माण की प्रक्रिया भी जल्द पूरी होगी। वहीं इस मामले में एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप के चक्कर में बच्चों का भविष्य गर्त में जा रहा है। विद्यालय के बाहर गंदा पानी इतना भरा है कि कई जगह गड्ढे हैं, जो बच्चों के लिए बड़ा खतरा भी है। इसके बावजूद अफसर इस मामले पर निगाह भी नहीं डाल रहे हैं।

अफसर बोले, जानकारी नहीं है

उपजिलाधिकारी रसूलाबाद सर्वेश सिंह ने बताया है कि जलभराव की जानकारी नहीं है, बीडीओ से इस मामले की जानकारी की जायेगी और हर हाल में स्कूल में भरे पानी को निकलवाया जायेगा।

इस मामले पर एडीओ पंचायत जेपी शुक्ला ने बताया कि इस संदर्भ में हमें जानकारी नहीं है। जानकारी प्राप्त करने के बाद आगे दिशा में काम कराएंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

भारतीय स्टेट बैंक शाखा से 3 लाख रुपए से भरा बैग चोरी

» बैंक कर्मचारियों ने नोटों से भरा एक बैग काउंटर पर ही छोड़ दिया था

» पुलिस ने बैंक पहुंचकर सीसीटीवी खंगाले, संदिग्ध लोगों की तलाश शुरू

जांच करते अपर पुलिस अधीक्षक साथ में सीओ प्रिया सिंह

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सिकंदरा थाना कस्बा स्थित भारतीय स्टेट बैंक शाखा से 3 लाख रुपए की कैश चोरी का मामला सामने आया है।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक लंच ब्रेक के दौरान बैंक कर्मचारियों ने नोटों से भरा एक बैग काउंटर पर ही छोड़ दिया था। इसी का फायदा उठाकर एक नाबालिग चोर बैग लेकर स्कूटी से रफूचक्कर हो गया। दिनदहाड़े हुई इस चोरी की वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड?प मच गया।

अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय,पुलिस क्षेत्राधिकारी समेत कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची।पुलिस ने बैंक परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह चोरी योजनाबद्ध तरीके से की गई थी। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश शुरू कर दी है और जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की बात कही है। वहीं बैंक प्रबंधन से भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जवाब मांगा है। स्थानीय व्यापारियों ने भी इस घटना पर चिंता जताई है और बाजार में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

रनिया में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की दर्दनाक मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रनिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुरुवार सुबह कानपुर-दिल्ली हाईवे पर टोरेंट सीएनजी पंप के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जिसमें बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल संख्या यूपी-78 जेएफ 2863 से जा रहे अरबाज खान (27 वर्ष) पुत्र यासीन निवासी कच्ची बस्ती, गोविंद नगर, कानपुर को किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि अरबाज की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक प्रिंस रोड लाइन रनिया में गाड़ी चलाने का कार्य करता था और रोज़ाना इसी मार्ग से होकर गुजरता था। सूचना पर डायल-112 पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी ने बताया कि अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। दुर्घटना के बाद हाईवे पर कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने नियंत्रित कर सामान्य कर दिया।

देवयानी सरोवर में 5100 दीपों से जगमगाई छटा

लेजर लाइटों के साथ जगमगाया घाट, रामलीला का मंचन शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मूसानगर स्थित देवयानी सरोवर में करवाचौथ के अवसर पर शुक्रवार शाम को 5100 दीपों का भव्य दीपदान किया गया। दीपों और लेजर लाइटिंग से सरोवर जगमगा उठा, जिसके बाद रामलीला और मेले का आयोजन शुरू हुआ।कानपुर देहात में मूसानगर क देवयानी सरोवर में पारंपरिक रूप से आयोजित होने वाले दीपदान में शुक्रवार शाम को 5100 दीप जलाए गए। दीपों और लेजर लाइटों से सरोवर जगमगा उठा। इसके साथ ही रात में रामलीला व नाट्य मंचन शुरू किया गया।करवाचौथ पर्व पर देवयानी सरोवर तट पर पारंपरिक मेला का आयोजन किया गया। चंद्रमा निकलने के बाद सरोवर की सीढ़ियों में रखे गए दीपक एक साथ जलाए गए। सरोवर में चारों तरफ लगीं लेजर लाइटिंग के साथ गऊ घाट में लगा फब्बारा चलता हुआ दीपों की रंग बिरंगी छटा बनाता रहा।

इसे देख लोग भाव विभोर होकर जय श्री राम का उदघोष करते रहे। दीपदान के बाद महाआरती की गई। पंडित सुमित शास्त्री ने पूजन कराया। इसके बाद सरोवर की परिक्रमा की गई। सरोवर के चारों तरफ लगीं दुकानों से महिलाएं जरूरत का सामान खरीदतीं रहीं। बच्चे झूले का आनंद लेते रहे। आयोजन समिति के सभी सदस्य और लोग मौजूद रहे।

2027 के लिए मायावती की नई रणनीति

'बहुजातीय समीकरण' साधने की तैयारी

मुस्लिम वोट बैंक पर खास फोकस की बजाय स्वर्ण वोटरों पर कड़ी निगाह

निर्मल तिवारी स्वराज इंडिया

» मुस्लिम मतदाता लगातार सपा और कांग्रेस की ओर झुकता रहा, जिससे बसपा को अपेक्षित लाभ नहीं मिला, इससे बहन जी नाराज !

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने 9 अक्टूबर को लखनऊ में मान्यवर कांशीराम जयंती पर आयोजित विशाल जनसभा से एक बार फिर अपनी राजनीतिक सक्रियता का संकेत दे दिया है। लंबे समय बाद मंच पर उतरीं मायावती का अंदाज़ भले ही पुराना रहा – चेहरे पर शांति, पर शब्दों में तेज़ी और समाज के प्रति समर्पण – लेकिन उनकी राजनीति का समीकरण इस बार बदला हुआ दिख रहा है।

खास खबर

2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए मायावती अपनी पारंपरिक रणनीति से हटकर नए सामाजिक समीकरण की दिशा में बढ़ती नजर आ रही हैं। इस बार वह मुस्लिम वोट बैंक पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय अपने कोर दलित वोटरों के साथ गैर-यादव ओबीसी और ब्राह्मण वर्ग को साधने की तैयारी कर रही हैं। राजनीतिक हलकों में इसे '2007 की तर्ज़ पर 2027 की वापसी' की रणनीति कहा जा रहा है।

दरअसल, 2022 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनावों ने मायावती को यह सिखाया कि मुस्लिम मतदाता लगातार सपा और कांग्रेस की ओर झुकता रहा, जिससे बसपा को अपेक्षित लाभ नहीं मिला। यही कारण है कि इस बार बहनजी गैर-यादव ओबीसी (कुर्मी, मौर्य, लोध, निषाद आदि), गैर-जाटव दलित और असंतुष्ट ब्राह्मणों पर फोकस कर रही हैं।

हाल के दिनों में मायावती द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कानून-व्यवस्था और विकास योजनाओं की सार्वजनिक प्रशंसा को इसी रणनीति से जोड़ा जा रहा है। विपक्षी दल भले ही इसे भाजपा से 'नजदीकी' बताकर हमला कर रहे हों, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मायावती की सोची-समझी चाल है — जिससे वह खुद को 'गैर-टकराव वाली' नेता के रूप में स्थापित कर सकें।

सूत्रों के मुताबिक मायावती पुराने प्रभावशाली बसपा नेताओं को दोबारा पार्टी में लाने की कोशिश में भी जुटी हैं। यदि ये नेता वापस आते हैं तो बसपा का संगठनात्मक ढांचा जमीनी स्तर पर दोबारा मजबूत हो सकता है, जिससे पार्टी का बूथ नेटवर्क सक्रिय होगा और दलित-ओबीसी मतदाताओं को संगठित करने में मदद मिलेगी।

दलित समाज में मायावती की पकड़ आज भी मज़बूत है। वह एक बार फिर 'संविधान और दलित अधिकारों' की रक्षा को मुख्य चुनावी मुद्दा बना सकती हैं। आरक्षण, रोजगार और शिक्षा के अवसरों जैसे सामाजिक-आर्थिक मुद्दों को लेकर दलित युवाओं और महिलाओं को साधने की रणनीति भी तैयार की जा रही है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2027 का चुनाव मायावती के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। यदि वह दलित-ओबीसी-ब्राह्मण का 'त्रिकोणीय गठबंधन' साधने में सफल होती हैं, तो वह भाजपा और सपा-कांग्रेस गठबंधन — दोनों के लिए एक नई चुनौती बनकर उभर सकती हैं।मायावती की यह बदली हुई रणनीति बताती है कि बसपा अब केवल एक वर्ग की पार्टी नहीं रहना चाहती, बल्कि सामाजिक संतुलन के नए फार्मूले के साथ सत्ता की दौड़ में पूरी तैयारी से उतरने जा रही है।

सतीश चंद्र मिश्रा के पुत्र ने मायावती के मंच पर छुए पैर!

9 सितंबर को आयोजित महा रैली में मायावती के मंच पर दो युवा चेहरे खास नजर आए। एक तो आकाश आनंद जो कि मायावती के भतीजे हैं और दूसरे सतीश चंद्र मिश्रा के पुत्र मायावती के पैर छूते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अलग अलग कयास लगाए जा रहे हैं ।

अब आई अवैध पटाखा की याद

छापेमारी में भारी मात्रा में बारूद बरामद

धमाके में छह लोगों की मौत के बाद अयोध्या पुलिस की नींद टूटी...

» पूराकलंदर ब्लास्ट के बाद रौनाही में चला अभियान, एक गिरफ्तार

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।पूराकलंदर थाना क्षेत्र के पगलाबारी गांव में हुए भीषण विस्फोट के बाद अयोध्या पुलिस अब नींद से जाग कर पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। रौनाही थाना पुलिस ने शुक्रवार देर रात अरकुना गांव में एक घर पर छापा मारकर अवैध पटाखों का भारी जखीरा बरामद किया है।

छापेमारी में पुलिस ने घर से दो बोरी अनार,आधी बोरी कागज़ बम,दो बोरी छुरछुरिया,एक बोरी चकरी,मिर्ची पटाखा,12 डिब्बे रॉकेट और एक बोरी सुतली बम जैसी विस्फोटक सामग्री जब्त की। पुलिस ने मौके से एक आरोपी विशाल चौरसिया पुत्र जगदीश प्रसाद निवासी अरकुना को गिरफ्तार किया है, जो बिना लाइसेंस के पटाखे बेचने और भंडारण करने का काम कर रहा था। यह पूरी कार्रवाई सीओ सदर योगेंद्र कुमार और उप जिलाधिकारी सोहावल सविता देवी के नेतृत्व में की गई। टीम में रौनाही थाना प्रभारी संदीप सिंह, उपनिरीक्षक आलोक यादव, कमल सिंह, हेड कांस्टेबल इंद्रेश, बालेंद्र, कांस्टेबल विकास, देवव्रत चौधरी, राजेश कुमार, अंबरीश और महिला कांस्टेबल धीरज शामिल रहे।अवैध बारूद कारोबार बर्दाश्त नहीं सीओ सदर योगेंद्र कुमार ने कहा कि त्योहारों के मौसम में अवैध पटाखा कारोबार पर रोक लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। बिना लाइसेंस के विस्फोटक सामग्री रखने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पूराकलंदर ब्लास्ट में छह लोगों की दर्दनाक मौत के बाद अयोध्या पुलिस ने जिलेभर में अवैध पटाखा कारोबार पर नकेल कसनी शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि त्योहारों के पहले किसी भी हालत में अवैध बारूद कारोबार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

धनतेरस और दीपावली से पहले खनका बर्तनों का बाजार, कारोबार होगा 100 करोड़ के पार

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अलीगढ। धनतेरस और दीपावली से पहले ही बर्तनों के बाजार में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। त्योहारी सीजन में धनतेरस तक बर्तनों के कारोबार में लगभग 100 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। कि मैटल आयटमों पर पांच फीसदी का स्लैब है। स्लैब बदला है इसलिए सटीक अनुमान अभी संभव नहीं, लेकिन बाजार के रुझान कहते हैं कि त्योहार पर बर्तन कारोबार 100 करोड़ तक जा सकता है इस बार लोग एल्युमिनियम के बर्तनों से दूरी बनाते हुए पारंपरिक पीतल और तांबे के बर्तनों की ओर लौट रहे हैं। सेहत के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते इन धातुओं से बने बर्तनों की मांग खासी बढ़ गई है। माना जा रहा है कि एल्युमिनियम के मुकाबले ये पारंपरिक धातुएं खाना पकाने के लिए बेहतर हैं। एल्युमिनियम की जगह इस खास स्टील से बने प्रेशर कुकर को स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम माना जा रहा है, क्योंकि इनमें खाना जलने की समस्या कम होती है।

अतिक्रमण हटाया या उलटा खड़ा करके इंसानियत मिटाई

अयोध्या नगर निगम के प्रवर्तन दस्ते की अमानवीय हरकत से लोगों में रोष

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम की नगरी में मर्यादा का मखौल उड़ता दिखा। नगर निगम के प्रवर्तन दल द्वारा अतिक्रमण हटाने के अभियान के दौरान कुछ युवकों को उठक-बैठक कराते हुए और दीवार के सहारे उलटा खड़ा करवाने का वीडियो वायरल हो गया है। 2 मिनट 13 सेकेंड का यह वीडियो प्रशासनिक संवेदनहीनता का जिंदा सबूत बन गया है।

लोग सोशल मीडिया पर निगम की इस हरकत को गरीबों पर जुल्म, अमानवीय बर्ताव और प्रशासनिक गुंडागर्दी बता रहे हैं। वीडियो में प्रवर्तन दल के सुरक्षाकर्मी युवकों को पकडक़र डंडे के बल पर उठक-बैठक करवाते दिख रहे हैं। जो नहीं कर पा रहे, उन्हें डांटकर और डंडा दिखाकर मजबूर किया जा रहा है। लोग इस हरकत को लेकर सवाल उठा रहे हैं कि यह कैसा अतिक्रमण हटाओ अभियान है जो मानवता की धज्जियां उड़ा रहा है।

अमानवीय बर्ताव किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। मैंने अपर नगर आयुक्त भरत भार्गव को इस प्रकरण की जांच के आदेश दिए हैं। यदि प्रवर्तन दल के किसी भी सदस्य की गलती साबित हुई, तो उस पर कड़ी कार्रवाई होगी।

-महंत गिरीशपति त्रिपाठी
महापौर अयोध्या नगर निगम

यह घटना दीन दयाल पार्क के पास की है।अतिक्रमण हटाना गलत नहीं, पर इस तरह की बर्बर कार्रवाई अस्वीकार्य है। निगम को नियमों के तहत चालान या जब्ती करनी चाहिए थी,न कि गरीबों की इज्ज़त सरेआम उछालनी चाहिए थी।

-सपा नेता महेंद्र शुक्ल

स्वराज इंडिया के सवाल

दीपोत्सव की चमक के बीच अयोध्या में गरीबों की इज्ज़त का अंधेरा फैल गया है। एक तरफ़ जहां शहर में करोड़ों के दिए जलेंगे, वहीं दूसरी तरफ इंसानियत की लौ बुझती दिख रही है। स्वराज इंडिया पूछता है राम की नगरी में अब 'मर्यादा' सिर्फ दीवार पर टंगी लिखावट है या किसी दीवार के सहारे उलटा खड़ा किया गया इंसान? महापौर के बयान के बावजूद शहर में यह सवाल गूंज रहा है कि क्या जांच सिर्फ औपचारिकता बनकर रह जाएगी? या फिर इस बार किसी जिम्मेदार अधिकारी को जवाब देना होगा कि अतिक्रमण हटाओ' का मतलब 'अपमान करवाओ' कब से हो गया?

निषादराज की ढकी खड़ी मूर्ति को लगा प्रतीक्षा का अभिशाप

निषादराज की पीड़ा, अयोध्या की शर्म

» मूर्ति स्थल पर नगर निगम ने आनन-फानन में बोर्ड भी लगवा दिया, लेकिन नहीं हुआ लोकार्पण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। 8 अक्टूबर वह दिन जब अयोध्या फिर इतिहास लिख रही थी। देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंच पर थे। बृहस्पति कुंड का भव्य लोकार्पण होना था, और सरकारी इंतज़ामात में किसी उत्सव जैसा माहौल था। लेकिन इस चकाचौंध के बीच एक और कहानी जन्म ले रही थी मौन, उपेक्षित और प्रतीक्षारत भगवान श्रीराम के मित्र निषादराज गुह्य की।

अयोध्या के प्राचीन टेढ़ी बाजार चौराहे पर जब निषादराज चौराहा नामकरण की खबर पहुँची, तो निषाद समाज के चेहरे खिल उठे। वर्षों से वे इस मान्यता की प्रतीक्षा कर रहे थे कि अयोध्या, जो भगवान श्रीराम की नगरी है, वहाँ उनके निषाद मित्र को भी उचित स्थान मिले। नगर निगम ने आनन-फानन में बोर्ड लगवा दिया। मूर्ति भी स्थापित कर दी गई। सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हुई कि अब इतिहास खुद को सही करेगा जहां राम, वहां निषादराज भी। लेकिन जैसे ही बृहस्पति कुंड पर कार्यक्रम समाप्त हुआ, निषादराज की मूर्ति के ऊपर पड़ा वस्त्र जस का तस रह गया। कोई पर्दा नहीं उठा, कोई लोकार्पण नहीं हुआ, और निषादराज वहीं ढके खड़े रह गए।

..तो क्या योजना थी ही नहीं!

स्वराज इंडिया को सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जिला प्रशासन की ऐसी कोई योजना ही नहीं थी कि टेढ़ी बाजार चौराहे का नाम निषादराज चौराहा किया जाए। जैसे ही सवाल उठे कि मूर्ति और बोर्ड किसने लगवाया, तो जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाल दी गई। किसी ने कहा नगर निगम ने लगवाया, तो किसी ने कहा स्थानीय जनप्रतिनिधि की पहल थी। बात जब बड़े साहब तक पहुँची, तो जवाब मिला ऐसी कोई आधिकारिक योजना नहीं है। बस, इतना सुनना भर था कि निषाद समाज का उत्साह आहत में बदल गया।

राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा

हर बार की तरह इस बार भी निषाद समाज के हाथ में वही पुराना सम्मान का झुनझुना थमा दिया गया न घोषणा, न उद्घाटन, न उल्लेख। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी रही कि चुनावी मौसम नजदीक है, और निषाद समुदाय को भावनात्मक तुष्टीकरण के जरिए साधने की कोशिश की जा रही है। लेकिन सवाल यह है कि भगवान श्रीराम के उस मित्र की मूर्ति को ढका छोड़ देना क्या यह अयोध्या की असली आत्मा के साथ न्याय है?

अयोध्या में लगी पर्दे में ढकी निषादराज की मूर्ति

'स्वराज इंडिया' का सवाल

-किसके आदेश पर निषादराज की मूर्ति लगाई गई?

-अगर योजना थी ही नहीं, तो बोर्ड कैसे लगा?

-क्या निषाद समुदाय को केवल दिखावे का प्रतीक बना दिया गया है?

सम्मान का सूर्य अभी नहीं उगा

अयोध्या के इस नए आधुनिक युग में विकास की दीये जरूर जल रहे हैं, लेकिन निषादराज की मूर्ति पर पड़ा पर्दा इस बात का प्रतीक है कि सम्मान का सूर्य अभी नहीं उगा है। वह प्रतीक्षा में हैं उसी तरह जैसे उस दिन गंगा किनारे श्रीराम की प्रतीक्षा में खड़े थे, पर इस बार नाव नहीं, उम्मीदें किनारे पर अटकी हैं।

परंपरागत हस्तशिल्पी और कारीगर हमारी बड़ी ताकत

सीएम योगी ने भदोही में 49वें कालीन मेले का किया उद्घाटन

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

भदोही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ज्ञानपुर में आज शनिवार को 49वें कालीन मेला का उद्घाटन किया। अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले का शुभारंभ करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी की सुरक्षा व्यवस्था तगड़ी की गई है। अभयनपुर से लेकर मेगा मार्ट तक सिर्फ चिन्हित लोग ही सीएम के कार्यक्रम तक पहुंचे। आज 1200 से अधिक सुरक्षाकर्मी की तैनाती की गई है।

जिले में होने वाले में चौथे अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला का उदघाटन करने आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न परिस्थितियों को लेकर निर्यातकों को आवश्य किया। बताया कि सरकार अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न हुई परिस्थितियों से निकालने के लिए अन्य वैकल्पिक रास्ते तलाश रही है। जिसमें विश्व के कई देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के माध्यम से उद्योग की नई संभावनाओं को तलाशने की बात कही।

कार्यक्रम में अमेरिकी टैरिफ की चुनौतियों को लेकर बेल आउट पैकेज की आस लगाए निर्यातकों को निराश होना पड़ा। सीएम फिलहाल किसी भी तरह के बेल आउट पैकेज की घोषणा नहीं की। हालांकि यह जरूर कहा गया कि केंद्र और प्रदेश सरकार निर्यातकों को इस मझधार से निकालने के लिए कई बिंदुओं पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री कहा कि लाखों लोगों को रोज़गार उपलब्ध कराने वाले इस उद्योग की बेहतरी को लेकर तमाम प्रयास हो रहा है। जिसमें ओडीओपी में कालीन को शामिल कर इससे जुड़े लोगों को प्रोत्साहित किया है। यहां हैंडमेड कारपेट यहां की ताकत है। इस कालीन मेला से उद्यमियों को नया प्लेटफॉर्म उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि जीएसटी की दरों में कटौती से इस उद्योग का सीधा फायदा हुआ है। जिसमें 12 से 18 फीसदी तक जीएसटी के स्लैब में रहे रॉ मैटीरियल अब पांच फीसदी में आ गया है। भारत सरकार यूएई और यूके के साथ एफटीए अब अंतिम चरण में है। उन्होंने जल्द ही काशी नरेश राजकीय महाविद्यालय को जल्द ही विश्वविद्यालय का दर्जा दिए जाने की बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 11 वर्ष पहले कार्पेट उद्योग बंदी के कगार पर था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भदोही, मीरजापुर और वाराणसी के कार्पेट क्लस्टर को नई ऊर्जा मिली। भदोही को केंद्र बनाकर कार्पेट एक्सपो मार्ट की स्थापना की गई। जब पहला एक्सपो हुआ था, तब विदेशी खरीदारों की संख्या बहुत कम थी, लेकिन आज 88 देशों से तीन से चार सौ फॉरेन बायर्स यहां आ रहे हैं।

यह बताता है कि ग्लोबल मार्केट में आपके कालीनों की मांग कितनी बढ़ी है। योगी आदित्यनाथ ने अपने उद्बोधन में कहा कि यूपी सरकार ने कार्पेट सेक्टर सहित एमएसएमई और ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रॉडक्ट) योजना के तहत प्रत्येक जिले में विशिष्ट उद्योगों को प्रोत्साहित किया है। भदोही के कालीन, मुरादाबाद के पीतल, फिरोजाबाद के ग्लास और वाराणसी के सिल्क को नई पहचान मिली है। 2017 में जब हमने ओडीओपी योजना शुरू की थी, तब किसी ने नहीं सोचा था कि यूपी दो लाख करोड़ से अधिक का निर्यात करेगा, यह अब वास्तविकता बन चुकी है।

हरिओम के परिवार से मिले योगी के मंत्री, दी 14 लाख की आर्थिक मदद

» रायबरेली, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

यूपी के रायबरेली में मॉब लिंचिंग में मारे गए दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की घटना पर सियासी घमासान जारी है। शनिवार को योगी सरकार में मंत्री राकेश सचान और असीम अरुण ने ऊंचाहार के नई बस्ती पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की। पत्नी पिंकी और पिता गंगादीन को 6.92-6.92 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। आगे भी हर संभव मदद का भरोसा दिया। परिजनों को सीएम योगी आदित्यनाथ से मिलवाने का आश्वासन भी दिया। इस मौके पर ऊंचाहार विधायक मनोज पांडेय भी मौजूद रहे।

मंत्रियों ने हरिओम की पत्नी पिंकी और बेटी अनन्या से बात करके उन्हें ढांढस बंधाया। साथ ही सरकार की तरफ से आर्थिक सहायता के रूप में 6.92 लाख की चेक दी। बेटी अनन्या को 2500 रुपये प्रति माह का स्टाइपेंड मिलेगा। उन्होंने अब तक हुई कार्रवाई के बारे में पूछा और उनका मन जाना। इस पर पिंकी ने कहा कि सरकार से हमें पूरी मदद मिल रही है। एसपी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। हम सरकार और पुलिस की सहायता और कार्रवाई से पूरी तरह संतुष्ट हैं।

मंत्री असीम अरुण ने कहा कि घटना को लेकर सरकार सख्त है। कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है।

साल भर तक सोते रहे अफसर, अब चार के खिलाफ हुई एफआईआर

बंदियों ने जेल अधीक्षक के खाते से ही उड़ा दिए तीस लाख रुपये

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

आजमगढ़। यूपी के आजमगढ़ से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां बंदियों ने जेल अधीक्षक के खाते से फर्जीवाड़ा कर 30 लाख से अधिक की रकम साफ कर दी। जेल प्रशासन की तरफ से इस मामले में सिधारी थाने में चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। वहीं, क्षेत्र में ये चर्चा का विषय बना हुआ है।

जिला कारागार के अधीक्षक के नाम से जेल प्रशासन का केनरा बैंक में खाता है। इस खाते में बंदियों की मजदूरी समेत अन्य खर्च शासन की तरफ से भेजा जाता है। फर्जीवाड़ा कर इस खाते से 30 लाख से अधिक रुपये निकाल लिए गए हैं। जेल प्रशासन की तरफ से सिधारी थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया गया है कि 20 मई 2024 को बंदी रामजीत जेल से छूटा था। इसके कुछ दिनों बाद एक अन्य बंदी शिवशंकर भी जेल से छूटा। दोनों बैंक से चेकबुक चुरा ले गए थे। इसके बाद फर्जी दस्तखत बनाकर खाते से लाखों रुपये निकाल लिए।

इस मामले में बैंक कर्मियों की भी भूमिका संदिग्ध है। जेल प्रशासन ने जेल के अकाउंटेंट मुशीर अहमद और चौकीदार जेल कैश अवधेश पांडे के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कराया है। जेल अधीक्षक आदित्य कुमार ने कहा कि जेल के खाते से 30 लाख से भी अधिक रुपये फर्जीवाड़ा कर निकाले गए हैं। अभी मिलान कराया जा रहा है। इसके बाद ही स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकता है।

बंदी को इलाज के लिए रुपये भेजने पर हुई जानकारी

जेल अधीक्षक आदित्य कुमार का दावा है कि एक बंदी को इलाज के लिए बीएचयू भेजने के बाद मामले की जानकारी हुई। कुछ दिनों पहले एक बंदी की तबीयत बिगड़ गई थी। इलाज के लिए उसे वाराणसी के बीएचयू ले जाया गया। बंदी के इलाज के लिए जेल अधीक्षक की तरफ से पेशेंट रिलीफ केयर फंड से बीएचयू के खाते में 195000 भेजे गए। इलाज के बाद बीएचयू की तरफ से बचे पैसे उनके खाते में लौटाए गए। गुरुवार को उन्होंने एक कर्मचारी को स्टेटमेंट लेने के लिए भेजा था। स्टेटमेंट में खाते में रुपये कम लगे। जिसके बाद एफआईआर दर्ज कराई गई।

हैरतअंगेज मामला

जेल अधीक्षक के खाते से फर्जीवाड़ा कर रुपये गायब करने के मामले में जेल प्रशासन की भी भूमिका संदिग्ध है। करीब एक साल से फर्जीवाड़ा कर खाते से रुपए निकाले जा रहे थे। इसके बाद भी प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लग सकी। बड़ा सवाल यह है कि क्या अफसरों ने एक साल से भी अधिक समय तक खाते में आने वाले रुपयों के बारे में जानकारी ही नहीं ली। एक साल की अवधि के भीतर खाते से कई बार लेनदेन हुआ। इसके बाद भी कभी मिलान नहीं किया गया। इस मामले में जेल प्रशासन ने भले ही एकाउंटेंट और चौकीदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराकर अपनी नाकामी छिपाने का प्रयास किया हो, लेकिन इसके लिए जेल के अफसर भी कम जिम्मेदार नहीं हैं।

लखनऊ में जेपीएनआईसी नहीं गए अखिलेश यादव

सपा कार्यालय में दी जयप्रकाश नारायण को श्रद्धांजलि

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। जयप्रकाश नारायण की जयंती पर एक बार फिर राजनीतिक घमासान छिड़ गया, जिसका केंद्र लखनऊ में स्थित जेपीएनआईसी (जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर) रहा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को जेपीएनआईसी स्थित जेपी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने से रोकने के लिए प्रशासन ने बैरिकेडिंग कर दी और भारी पुलिस बल तैनात किया। इसके बाद, अखिलेश यादव ने सपा कार्यालय में ही जेपी को श्रद्धांजलि दी।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार पुलिस लगाकर अपनी नाकामी छुपाना चाहती है, लेकिन समाजवादी संकल्प लेते हैं कि वे जेपीएनआईसी को बिकने नहीं देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जेपीएनआईसी की दुर्दशा की है और इसे बर्बाद करने के बाद छिपाने की कोशिश कर रही है।

इसलिए बंद हुआ था अखिलेश यादव का फेसबुक पेज

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा मुखिया अखिलेश यादव का फेसबुक पेज करीब 16 घंटे के बाद एक्टिव हो गया है। सपा ने इसे भाजपा की साजिश बताया है। कहा कि इस तरह के हल्के काम वही कर सकते हैं। अकाउंट सस्पेंड किए जाने पर अखिलेश यादव ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनके फेसबुक पेज पर एडल्ट सेक्सुअल एक्सप्लोइटेशन से जुड़े कंटेंट की शिकायत की गई थी, जबकि वह पोस्ट बलिया की नियुक्ति और पत्रकार की हत्या से संबंधित थी, जिसे गलत तरीके से सेक्सुअल एक्सप्लोइटेशन से जोड़कर शिकायत की गई।

अंत में उन्होंने कहा कि जेपी के सिद्धांतों पर चलकर ही इस सरकार को हटाया जाएगा, और सपा की सरकार आने पर जेपीएनआईसी को और बेहतर बनाया जाएगा।